



प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी का आयोजन

आदिवासी कवि सम्मिलन दिल्ली पुस्तक मेले में आदिवासी अनुभूतियों की गूँज

नई दिल्ली, 30 अगस्त 2018 : साहित्य अकादेमी द्वारा दिल्ली पुस्तक मेले के दौरान आज आदिवासी कवि सम्मिलन का आयोजन किया गया। कवि सम्मिलन की अध्यक्षता अरुणाचल प्रदेश से पधारे गालो आदिवासी समुदाय के कवि डॉ. टाकोप जिरडा ने किया। आरंभ में औपचारिक स्वागत करते हुए अकादेमी के विशेष कार्याधिकारी डॉ. देवेन्द्र कुमार देवेश ने अकादेमी द्वारा आदिवासी भाषा-साहित्य के लिए संचालित गतिविधियों का संक्षिप्त ब्यौरा दिया।

सम्मिलन में गोंड, उराँव, हो और संताल आदिवासी समुदाय के चार कवियों श्री वसंत किशन कवड़े, सुश्री जसिंता केरकेट्टा, श्री बुधन सिंह हेस्सा और श्री तुरिया चंद्र बास्के ने क्रमशः गोंडी, हिंदी, हो और संताली भाषा में अपनी कविताओं का पाठ किया। कवियों ने अपनी भाषा में कविता-पाठ के साथ कविताओं के हिंदी अनुवाद भी प्रस्तुत किए। पठित कविताओं में आदिवासी समुदाय के प्रकृति से जुड़ाव के साथ-साथ आधुनिक सभ्यता की विसंगतियों का चित्रण किया गया था। आशा, आकांक्षा, सपना, प्रेम, प्रकृति, सामाजिक, राजनीतिक परिस्थितियों पर आधारित कविताओं को श्रोताओं ने बेहद पसंद किया।

उक्त कड़ी में अकादेमी द्वारा मेले में कल दिनांक 31 अगस्त को 'युवा साहिती' के अंतर्गत युवा लेखकों के बहुभाषी रचना-पाठ का आयोजन किया गया है, जिसकी अध्यक्षता हिंदी की प्रतिष्ठित लेखिका श्रीमती कमल कुमार करेंगी।

(के. श्रीनिवासराम)